Raj Express (Indore), 04th November 2024, Page-04

करियर

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों का फ्यूजन इंजीनियरिंग में महत्वपूर्ण योगदान

बदलता ट्रेंड: आईआईटी इंदौर का ह्यूमन, कैंसर सेल के ट्रीटमेंट पर है फोकस

● इंदौर / पीयूष मौर्य

इंजीनियरिंग का बदलता ट्रेंड रोजगार की असीम संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। आईआईटी इंदौर में बायो साइंसेस और बायो मेडिकल इंजीनियरिंग की ब्रांच है। यहां ह्यूमन, कैंसर सेल के ट्रीटमेंट पर मुख्य फोकस किया जा रहा है। इसमें मुख्य रुप से कौन-कौन सी दवा, ट्रीटमेंट इफेक्टिव होगा उस पर ध्यान दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार इंजीनियरिंग क्षेत्र में ट्रेंड बदल रहा है। वर्तमान में इंजीनियरिंग तीन भागों में बटी है, क्लासिकल, मॉडर्न और फ्यूजन।

मुड़ जाते हैं कम्प्यूटर व डाटा साइंस की ओर : इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल कुछ हद तक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग जैसी कोर ब्रांचेस हैं तो मॉडर्न इंजीनियरिंग में सारा हिस्सा डाटा से जुड़ा है। डाटा कम्प्यूटेशन व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अहम रोल है। इसमें कम्प्यूटर साइंस, मैथमेटिक्स व कम्प्यूटिंग, डाटा साइंस और इंजीनियरिंग ब्रांचेस मॉडर्न इंजीनियरिंग का हिस्सा है। वर्तमान परिदृश्य में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और सिविल जैसी कोर-ब्रांचेस के स्टूडेंट्स भी फ्लेक्सिबल करिकुलम के तहत कम्प्यूटर व डाटा साइंस की ओर मुड़ जाते हैं क्योंकि यही डिमांड में है।

इंजीनियरिंग क्षेत्र में ट्रेंड बदल रहा है। इंजीनियरिंग तीन भागों में बटी है, क्लासिकल, मॉडर्न और फ्यूजन इंजीनियरिंग। क्लासिकल

क्लासिकल व मॉडर्न में सीटों की संख्या सीमित

रोजगार के क्षेत्र में तेजी से उभरती ब्रांचेज हैं। क्लासिकल व मॉडर्न इंजीनियरिंग में उपलब्ध सीटों की संख्या सीमित है और इंजीनियरिंग एस्पायरेंट्स की संख्या अधिक ही नहीं लेकिन जो है वो पर्याप्त है, क्योंकि प्राइमरी लेवल पर कोई फिल्ट्रेशन है ही नहीं। स्टूडेंट जो चाहे मैथमेटिक्स सब्जेक्ट ले सकता है, यहां रुचि, काबिलियत और एप्टीट्यूड कोई मायने नहीं रखते। सब कुछ व्यावसायिक है।

इंजीनियर्स टेक्नोक्रेट्स की है आवश्यकता

इंदौर के अलावा देश के प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों का फ्यूजन इंजीनियरिंग में महत्वपूर्ण योगदान है। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए चिकित्सा क्षेत्र में क्या बेहतर परिणाम दिए जा सकते हैं, इस दिशा में कई संस्थान काम कर रहे हैं। अन्य संस्थानों की बात करें तो चिकित्सा क्षेत्र की महती आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए फ्यूजन इंजीनियरिंग बड़ा विकल्प है। वर्तमान में ऐसे इंजीनियर्स टेक्नोक्रेट्स की आवश्यकता है जो फिजियोलॉजी, एनाटॉमी और बायोकेमेस्ट्री जैसे विषयों को समझकर चिकित्सा को आसान बना सकें। दर्द रहित-पेनलेस चिकित्सा जांचों की विधिया तैयार कर सके और चिकित्सा क्षेत्र में मॉडर्न टेक्नोलॉजी को समावेशित कर आमजन के लिए सुलभता से उपलब्ध करवा सकें। दरअसल रोबोटिक सर्जरी जैसे महत्वपूर्ण विषयों के लिए सिर्फ मेडिसिन और सर्जरी ही पर्याप्त नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी की भी आवश्यकता है। ऐसे में इंजीनियरिंग-टेक्नोलॉजी व चिकित्सा क्षेत्र का फ्यूजन आवश्यक है।

खुल रहे रोजगार की असीम संभावनाओं के द्वार

इंजीनियरिंग का बदलता ट्रेंड रोजगार की असीम संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। आईआईटी इंदौर में बायो साइंसेस और बायो मेडिकल इंजीनियरिंग की ब्रांच है। यहां ह्यूमन, कैंसर सेल के ट्रीटमेंट पर मुख्य फोकस किया जा रहा है। इसमें मुख्य रुप से कौन-कौन सी दवा, ट्रीटमेंट इफेक्टिव होगा उस पर ध्यान दिया जा रहा है।

प्रो. सुनिल कुमार, पीआरओ, आईआईटी इंदौर